

## असाधाररण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

## श्राधिकार से प्रकारित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 641] मई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 29, 1984/पौष 8, 1906 No. 641] NEW DELHI, SATURDAY, DEC. 29, 1984/PAUSA 8, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भारतीय पुराप्तत्व सर्वेक्षण

## अधिस्चना

नई विल्ली, 29 विसम्बर, 1984

का. अ1. 979 (अ): — जबकि केन्सीय सरकार ने भारत व्ह राजपत्र, असाधारण, भाग-2, खंड 3, उपलण्ड (1) दिनांक 30 विसम्बर, 1980 में भारतीय पुरातत्त्र सर्वेक्षण के विनांक 30 विसम्बर, 1980 की सा. का. नि. 723(अ) संख्यक अधिस्चना के प्रकाशन द्वारा उन परम्परागत कलाओं, हस्तशिल्पों, रत्नां और आधूषणों से संबंधित मानवीय कलाकृतियीं को, जिन्हें बहुमूल्य कलाकृति के रूप में घोषित किए जाने का प्रस्ताव है, उनके कलात्मक और सींदर्यपरक मूल्य पर विचार करने और एक रिपोर्ट प्रस्तूत करने के लिए एक समिति (एतद् परचात् ''उन्स मिति'' के नाम से संबर्धित) का गठन किया है;

जबिक उक्त समिति का कार्यकाल, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, सण्ड 3, उप खण्ड (2) दिनांक 3 दिसम्बर, 1983 में प्रकाशित भारतीय प्रातत्व सर्वेक्षण की अधिस्त्राना सं. का. आ. 883 (अ) दिनांक 3 दिसम्बर, 1983 द्वारा 30 दिसम्बर, 1983 से एक अर्थ और बढ़ाया गया था;

और जब्कि उक्त समिति का कार्यकाल 29 विसम्बद, 1934 को समाप्त होने जा रहा है;

अब, अतः केन्द्रीय सरकार पूरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 (1972 का 52) की धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के साथ पिटत पूरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1973 की नियम 2 (क) के अनुसरण में उक्त समिति के कार्यकाल को एतव्द्वारा 30 दिसम्बर, 1984 से आगे एक वर्ष की अवधि के निए बढ़ाती है।

[सं. 1/23/76-पुरा.]

डा र एम . एस . नागराज राज , महानिदेशका

## ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 29th December, 1984

S.O. 979(E).—Whereas the Central Government has constituted a Committee for considering and submitting a report on the artistic and aesthetic value of human works of art relating to traditional arts, crafts, gens and jewellery proposed to be declared as art treasures (hereinafter referred to as "the said Committee) by the notification of the Archaeological Survey of India No. G.S.R. 723(E), dated the 30th December, 1980, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), datedd the 30th December, 1980.

Whereas the term of the said Committee was extended for one year more from the 30th December, 1983 by the notification of the Archaeological Survey of India No. S.O. 883(E), dated the 3rd December, 1983, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 3rd December, 1983;

And whereas the term of the said Committee is due to expire on the 29th December, 1984;

Now, therefore, in pursuance of rule 2A of the Antiquities and Art Treasures Rules, 1973, read with clause (b) of subsection (1) of section 2 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972), the Central Government hereby further extends the term of the said Committee by a further period of one year with effect from the 30th December, 1984.

[No. 1]23[76-ANT]

Dr. M. S. NAGARAJA RAO, Director General

